BABU K. N. SINGH MEMORIAL LECTURE

ON

"Spirituality, Culture and Nation with Reference to Vivekananda"

Report

Organizing lectures of eminent scholars on humble request has been very part of the department and the institute as well. To carry on this tradition, the department of English organized a lecture of Prof. Vinod Solanki, Retd. Professor of English of DDU Gorakhpur University on "Spirituality, Culture and Nation with Reference to Vivekananda" on 11th of September, 2023. She told in her lecture that Vivekananda's life and action both had been preoccupied with deep sense of duty towards each and every aspect of society, nation and world in general. It was sheer coincidence that Prof. Vinod Solanki happens to be the active participant of every Vivekananda programmes to be held time to time every year at Vivekanada Centre Uttar Pradesh zone. In this programme, teachers, students and many listeners were present and felt enlightened and enkindled.

अध्यात्म, संस्कृति और राष्ट्र धर्म : विवेकानंद के सन्दर्भ विषय पर व्याख्यान सम्पन्न

दैनिक न्यूज़ वर्ल्ड / राजदेव यादव

सुलतानपुर।कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर में 11 सितम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा बाबू के.एन. सिंह स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यानअध्यात्म,संस्कृति और राष्ट्र धर्म रू विवेकानंद के सन्दर्भ में विषयक रहा।कार्यक्रम का शुभारम्भ बाबू के.एन.सिंह और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विषय का प्रवर्तन करते हुए अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो.वी.पी.सिंह नें कहा कि वर्तमान भारत में राष्ट्रवाद पर गंभीरता से विमर्श हो रहा है। राष्ट्र और राष्ट्रवाद को बेहतर ढंग से समझने के लिए हमें विवेकानंद का जीवन दर्शन और उनकी वैचारिक अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझना होगा। मुख्य व्याख्यानकर्ता प्रो. विनोद सोलंकी दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्षा नें अपने वक्तव्य में कहा कि आध्यात्मिक चिन्तन जहां मनुष्य की आन्तरिक चेतना को समृद्ध करता है,वहीं संस्कृति सहिष्णुता की और राष्ट्र धर्म की अवधारणा की आधारशिला रखती है। इन्होंने शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन पर चर्चा में बताया कि स्वामी विवेकानंद ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरी दुनिया को भारतीय धर्म और दर्शन की गहनता से अवगत कराया था। मीडिया प्रभारी डॉ आर पी मिश्र नें बताया कि,अपनी गरिमामयी उपस्थिति में शिक्षा संकाय, टी.डी.कालेज जौनपुर की प्रो.गीता सिंह नें अपने सारगर्भित विचार उदबोधन में कहा कि हमें विवेकानंद के सपनों का भारत आज बनाना होगा।आज नैतिकता की संकट बड़ी है जिससे मुक्ति स्वामी विवेकानंद के वैचारिक घर से ही मिलेगी।इसी क्रम में डा.डी.पी.सिंह,पूर्व अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग,गनपत सहाय महाविद्यालय सुलतानपुर नें अपने वक्तव्य में राष्ट्र धर्म के सिद्धांत पर स्वामी विवेकानंद के विचारों को केन्द्र में रखा।स्वामी विवेकानंद से प्राप्त मूल्य भारत को श्रेष्ठ और आत्मनिर्भर भारत बना सकता है।पूर्व प्राचार्य प्रो.राधेश्याम सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए विवेकानंद एक आदर्श हैं। इनके चिन्तन के हर पक्ष देश और मनुष्यता की विरासतों को समृद्ध व संचित करता है।अंत में अध्यक्षीय उदबोधन में प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने कहा कि हरी–भरी, युद्ध मुक्त और शांति प्रिय दुनिया विवेकानंद का सपना था व इनके सपनों को पूरा करना हम सबका मिशन होना चाहिए।मंच संचालन करते हुए डा.सुनीता राय नें बताया कि विवेकानंद का दर्शन वैश्विक कल्याण का दर्शन है।इनका चिन्तन समूची सभ्यता प्रगतिशील बनाने हेतु ही है।इस अवसर पर प्रो.राधेश्याम सिंह, निदेशक आई.क्यू.ए.सी., प्रो. प्रवीण कुमार सिंह,प्रो.वी.पी.सिंह, डा राज कुमार मिश्र, डा.सुनीता राय,प्रो.प्रतिमा सिंह,डा.वंदना सिंह, डा.रंजना सिंह,डा.पवन कुमार रावत आदि प्राध्यापक गण एवं आकांक्षा, अंजली, दिलीप, बाबी, मोहिनी, प्रज्ञा,सचिन आदि छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सुलतानपुर तक
समाचार पत्र

सुल्तानपुर तक

सुविचार
समय का उत्तम उपयोग करना सीखें क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।

अध्यात्म, संस्कृति और राष्ट्र धर्म : विवेकानंद के सन्दर्भ' विषय पर व्याख्यान सम्पन्न,

संवाददाता सुल्तानपुर तक संतोष पाण्डेय

सुल्तानपुर।कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर में 11 सितम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा बाबू के.एन.सिंह स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान अध्यात्म,संस्कृति और राष्ट्र धर्म: विवेकानंद के सन्दर्भ' में विषयक रहा।कार्यक्रम का शुभारम्भ बाबू के.एन.सिंह और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विषय का प्रवर्तन करते हुए अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो.वी.पी.सिंह नें कहा कि वर्तमान भारत में राष्ट्रवाद पर गंभीरता से विमर्श हो रहा है। राष्ट्र और राष्ट्रवाद को बेहतर ढंग से समझने के लिए हमें विवेकानंद का जीवन दर्शन और उनकी वैचारिक अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझना होगा। मुख्य व्याख्यानकर्ता प्रो.विनोद सोलंकी दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्षा नें अपने वक्तव्य में कहा कि आध्यात्मिक चिन्तन जहां मनुष्य की आन्तरिक चेतना को समृद्ध करता है, वही संस्कृति सहिष्णुता की और राष्ट्र धर्म की अवधारणा की आधारशिला रखती है। इन्होंने शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन पर चर्चा में बताया कि स्वामी विवेकानंद ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरी दुनिया को भारतीय धर्म और दर्शन की गहनता से अवगत कराया था। मीडिया प्रभारी डॉ आर पी मिश्र नें बताया कि अपनी गरिमामयी उपस्थिति में शिक्षा संकाय, टी.डी.कालेज जौनपुर की प्रो.गीता सिंह नें अपने सारगर्भित विचार उद्बोधन में कहा कि हमें विवेकानंद के सपनों का भारत आज बनाना होगा। आज नैतिकता की संकट बड़ी है जिससे मुक्ति स्वामी विवेकानंद के वैचारिक घर से ही मिलेगी।इसी क्रम में डा.डी.पी.सिंह,पूर्व अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग,गनपत सहाय महाविद्यालय सुलतानपुर नें अपने वक्तव्य में राष्ट्र धर्म के सिद्धांत पर स्वामी विवेकानंद के विचारों को केन्द्र में रखा।स्वामी विवेकानंद से प्राप्त मूल्य भारत को श्रेष्ठ और आत्मनिर्भर भारत बना सकता है। पूर्व प्राचार्य प्रो.राधेश्याम सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए विवेकानंद एक आदर्श हैं। इनके चिन्तन के हर पक्ष देश और मनुष्यता की विरासतों को समृद्ध व संचित करता है। अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो.आलोक कुमार सिंह ने कहा कि हरी-भरी, युद्ध मुक्त और शांति प्रिय दुनिया विवेकानंद का सपना था व इनके सपनों को पूरा करना हम सबका मिशन होना चाहिए। मंच संचालन करते हुए डा.सुनीता राय नें बताया कि विवेकानंद का दर्शन वैश्विक कल्याण का दर्शन है।इनका चिन्तन समूची सभ्यता प्रगतिशील बनाने हेतु ही है। इस अवसर पर प्रो.राधेश्याम सिंह, निदेशक आई.क्यू.ए.सी., प्रो.प्रवीण कुमार सिंह,प्रो.वी.पी.सिंह, डा राज कुमार मिश्र, डा.सुनीता राय,प्रो.प्रतिमा सिंह,डा.वंदना सिंह, डा.रंजना सिंह,डा.पवन कुमार रावत आदि प्राध्यापक गण एवं आकांक्षा,अंजली,दिलीप, बाबी, मोहिनी,प्रज्ञा,सचिन आदि छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अध्यात्म, संस्कृति और राष्ट्र धर्म : विवेकानंद के सन्दर्भ विषय पर व्याख्यान सम्पन्न

पूर्व प्राचार्य प्रो.राधेश्याम सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए विवेकानंद एक आदर्श हैं।इनके चिन्तन के हर पक्ष देश और मनुष्यता की विरासतों को समृद्ध व संचित करता है।अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो.आलोक कुमार सिंह ने कहा कि हरी–भरी,युद्ध मुक्त और शांति प्रिय दुनिया विवेकानंद का सपना था व इनके सपनों को पूरा करना हम सबका मिशन होना चाहिए।

संतोष पाण्डेय उप संपादक
फर्स्ट एडिटर।सुल्तानपुर।

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुल्तानपुर में 11 सितम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा बाबू के.एन. सिंह स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया।व्याख्यान अध्यात्म,संस्कृति और राष्ट्र धर्म रू विवेकानंद के सन्दर्भश में विषयक रहा।कार्यक्रम का शुभारम्भ बाबू के.एन.सिंह और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।विषय का प्रवर्तन करते हुए अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो.वी. पी.सिंह नें कहा कि वर्तमान भारत में राष्ट्रवाद पर गंभीरता से विमर्श हो रहा है। राष्ट्र और राष्ट्रवाद को बेहतर ढंग से समझने के लिए हमें विवेकानंद का जीवन दर्शन और उनकी वैचारिक अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझना होगा।मुख्य व्याख्यानकर्ता प्रो. विनोद सोलंकी दीनदयाल उपाध्याय गोरखापुर विश्वविद्यालय,अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्षा नें अपने वक्तव्य में कहा कि आध्यात्मिक चिन्तन जहां मनुष्य की आन्तरिक चेतना को समृद्ध करता है, वहीं संस्कृति सहिष्णुता की और राष्ट्र धर्म की अवधारणा की आधारशिला रखती है। इन्होंने शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन पर चर्चा में बताया कि स्वामी विवेकानंद ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरी दुनिया को भारतीय धर्म और दर्शन की गहनता से अवगत कराया था।

मीडिया प्रभारी डॉ आर पी मिश्र नें बताया कि

अपनी गरिमामयी उपस्थिति में शिक्षा संकाय,टी.डी.कालेज जौनपुर की प्रो.गीता सिंह नें अपने सारगर्भित विचार उद्बोधन में कहा कि हमें विवेकानंद के सपनों का भारत आज बनाना होगा।आज नैतिकता की संकट बड़ी है जिससे मुक्ति स्वामी विवेकानंद के वैचारिक घर से ही मिलेगी।इसी क्रम में डा.डी. पी.सिंह,पूर्व अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग,गनपत सहाय महाविद्यालय सुल्तानपुर नें अपने वक्तव्य में राष्ट्र धर्म के सिद्धांत पर स्वामी विवेकानंद के विचारों को केन्द्र में रखा।स्वामी विवेकानंद से प्राप्त मूल्य भारत को श्रेष्ठ और आत्मनिर्भर भारत बना सकता है।पूर्व प्राचार्य प्रो.राधेश्याम सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए विवेकानंद एक आदर्श हैं।इनके चिन्तन के हर पक्ष देश और मनुष्यता की विरासतों को समृद्ध व संचित करता है।अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने कहा कि हरी–भरी,युद्ध मुक्त और शांति प्रिय दुनिया विवेकानंद का सपना था व इनके सपनों को पूरा करना हम सबका मिशन होना चाहिए।मंच संचालन करते हुए डा.सुनीता राय नें बताया कि विवेकानंद का दर्शन वैश्विक कल्याण का दर्शन है।इनका चिन्तन समूची सभ्यता प्रगतिशील बनाने हेतु ही है। इस अवसर पर प्रो.राधेश्याम सिंह, निदेशक आई.क्यू.ए.सी., प्रो. प्रवीण कुमार सिंह,प्रो.वी.पी.सिंह, डा राज कुमार मिश्र, डा.सुनीता राय,प्रो.प्रतिमा सिंह,डा.वंदना सिंह, डा.रंजना सिंह,डा.पवन कुमार रावत आदि प्राध्यापक गण एवं आकांक्षा,अंजली,दिलीप, बाबी, मोहिनी,प्रज्ञा,सचिन आदि छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

डीएम व सीडीओ द्वार

भर मिट्टी अथवा चु

कमला नेहरु भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान
सुलतानपुर उत्तर प्रदेश
A श्रेणी प्राप्त
बाबू केदारनाथ सिंह व्याख्यान माला
प्रसंगः- अध्यात्म, संस्कृति एवं राष्ट्रधर्म विवेकानन्द के सन्दर्भ में
प्रो. विनोद सोलंकी
दिनांक: 11.09.2023
व्याख्यान स्थल : बी.टेक. हॉल, फरीदीपुर परिसर
NAAC

List of participants: 14

Sl. No.	Name of Teacher	Department
1.	Prof. V. P. Singh	English
2.	Dr. Sunita Rai	English
3.	Dr. R. K. Mishra	English
4.	Mr. Fareed	English
5.	Prof. Praveen Kumar Singh	Physical Education
6.	Dr. Pawan Kumar Rawat	Hindi
7.	Prof. Radhey Shyam SIngh	Hindi
8.	Prof. Pratima Singh	Hindi
9.	Mrs. Vandana Singh	Hindi
10.	Er. Prem Chandra	Agriculture
11.	Dr. Neeraj Kumar Singh	Agriculture
12.	Dr. Narendra Kumar Gupta	Agriculture
13.	Mrs. Ranjana Singh	Pol. Science
14.	Dr. Abhinav Kumar	Agriculture